आने वाले वर्षों का लखनऊ

आउटर रिंग रोड, ग्रीन कॉरिडोर, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे से सुगम होगा यातायात

बेहतर कनेक्टिविटी देगी रफ्तार और पहचान

अतुल भारद्वाज

लखनऊ। बेहतर रोड नेटवर्क, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में मेट्रो सेवा के अलावा नए फ्लाईओवर राजधानी को गति देने का काम करेंगे। जहां नए प्रोजेक्टों पर काम शुरू हो रहा है, वहीं आउटर रिंगरोड और एयरपोर्ट विस्तार जैसे मेगा प्रोजेक्ट आने वाले समय में पूरा होकर शहर के आवागमन को बेहतर बनाने का काम करेंगे। राजधानी के अंदरूनी इलाकों के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट ग्रीन कॉरिडोर होगा जोकि गोमती नदी के किनारों पर बनाया जाना है। प्राथमिकता पर इन प्रोजेक्टों पर काम होने से समय से यह प्रोजेक्ट पूरे होकर लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित होंगे।

15 मिनट में आईआईएम से किसान पथ

मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के फोर लेन ग्रीन कॉरिडोर को सिग्नल फ्री बनाया जाना है। ऐसे में आईआईएम से किसान पथ तक केवल 15 मिनट में पहुंच जाने का दावा अधिकारियों का है। एलडीए के साथ सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी को यह प्रोजेक्ट करना है। खुद मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव इस प्रोजेक्ट की निगरानी कर रहे हैं। केवल छह महीने के अंदर इस प्रोजेक्ट के लिए सलाहकार चुना जा चुका है, जिससे डीपीआर जल्दी बन सके। जमीन अधिग्रहण का काम एलडीए को मिला है। वहीं सिंचाई विभाग बंधा और पीडब्ल्यूडी बंधे के ऊपर सड़क बनाने का काम करेगा। कुल 2000 करोड़ रुपये इस प्रोजेक्ट पर खर्च होने हैं।

अक्तूबर तक सुल्तानपुर रोड से सीतापुर लिंक हो जाएगा

4600 करोड़ रुपये के आउटर रिंगरोड पर भी एनएचएआई तेजी से काम कर रहा है।

- कोरोना की वजह से तीन से छह महीने तक अलग-अलग सेक्शन पर काम लेट हुआ है। इसके बाद भी कुर्सी रोड से सीतापुर रोड का सेक्शन अक्तूबर तक एनएचएआई पूरा कर लेगा। इसके अलावा सीतापुर रोड से मोहान रोड के सेक्शन को अक्तूबर 2022 और मोहान रोड से सुल्तानपुर रोड सेक्शन को मई 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा।
- इसी साल अक्तूबर तक सुल्तानपुर रोड से सीतापुर रोड के लिंक को एनएचएआई पूरा कर लेगा। इसकी वजह यह है कि एनएचएआई का अयोध्या हाइवे से कुर्सी रोड के बीच सेक्शन चालू हो चुका है। वहीं सुल्तानपुर रोड से अयोध्या हाइवे के बीच पीडब्ल्यूडी किसान पथ का काम पूरा कर चुका है। कुर्सी रोड से सीतापुर रोड सेक्शन पूरा होने से यहां भी ट्रैफिक चालू हो जाएगा।

दो फ्लाईओवर पर जल्दी शुरू होगा काम

एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक सीतापुर रोड पर आईआईएम क्रॉसिंग और बिठौली रेलवे क्रॉसिंग पर आवागमन को ठीक करने के लिए नया फ्लाईओवर बनाया जाना है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया जल्दी ही शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट को जरूरी अनुमति मिल चुकी है। वहीं खुर्मनगर फ्लाईओवर पर पीडब्ल्यूडी नेशनल हाइवे डिवीजन टेंडर कर चुकी है। जल्दी ही यहां काम शुरू होना है। बीबीएयू के पास बंगला बाजार रेलवे क्रॉसिंग पर सेतु निगम ने आरओबी बनाने का काम शुरू कर दिया है। एयरपोर्ट लिंक फ्लाईओवर पर भी काम चालू है। चौक फ्लाईओवर का काम भी 15 अगस्त तक पूरा किया जाना है। करीब 700 करोड़ रुपये के खर्च से ये फ्लाईओवर तैयार होने हैं।

30 साल में पूरे लखनऊ में मेट्रो कनेक्टिविटी

राजधानी में मेट्रो कनेक्टिविटी का विस्तार प्रस्तावित है। चारबाग से बसंतकुंज कॉरिडोर के लिए शासन को संशोधित डीपीआर भेजी जा चुकी है। इस पर जल्दी अनुमति मिलने की संभावना है।

इसके अलावा चारबाग से एसजीपीजीआई, सचिवालय से सीजी सिटी, बसंतकुंज से मुंशीपुलिया विस्तार, इंदिरानगर से वाया गोमतीनगर सीजी सिटी विस्तार, आईआईएम से राजाजीपुरम, सीजी सिटी से वाया वृंदावन कॉलोनी एयरपोर्ट के नए कॉरिडोर पर भी काम होना है। करीब 72 किमी सेक्शन में मेट्रो राजधानी में चलाई जानी है। यूपी मेट्रो की योजना है कि अगले 30 साल में इन रूट पर काम पूरा कर लिया जाएगा।

एयरपोर्ट का भी हो रहा विस्तार

राजधानी में मेट्रो और सड़क ही नहीं एयरपोर्ट पर भी यात्री क्षमता बढ़ाने के लिए विस्तार हो रहा है। यहां रनवे की लंबाई बढ़ाने से लेकर नए टर्मिनल का काम भी किया जा रहा है। इसके अलावा यात्री सुविधाओं को भी बेहतर किया जा रहा है। इसके लिए निजी हाथों में भी पूरे एयरपोर्ट को दिया गया है, जिससे बेहतर तरीके से संचालन हो सके।